# RAJYA SABHA

*Monday, the 24th August 1987/2 Bhadra 1909 (Saka)*

The House met at eleven of the clock. **THE DEPUTY CHAIRMAN** in the Chair.

## OBITUARY REFERENCE

THE DEPUTY CHAIRMAN: Members must have learnt with profound sorrow the passing away of Shri Ramkrishna Mazumder, a sitting Member of the Rajya Sabha.

Shri Mazumder, as the Members are aware, was afflicted with the dreaded disease, cancer. Nobody expected that the end would come so early but God willed otherwise.

Shri Mazumder was born in February 1929 at village Madaripur in district Faridpur which is now in Bangladesh. He got his initial education at his native place Madaripur and higher education at Calcutta. An active social and political worker, Shri Mazumder was imprisoned several times for participating in democratic movements in West Bengal. Shri Mazumder was elected to the Rajya Sabha in April, 1982 and always evinced keen interest in the proceedings.

We deeply mourn the passing away of Shri Ramkrishna Mazumder.

I request Members to rise in their places and observe a minute's silence as a mark of respect to the memory of the departed.

(Hon. Members then stood in silence for one minute).

THE DEPUTY CHAIRMAN: Secretary-General will convey to the members of the bereaved family our deep sense of sorrow and profound sympathy.

## ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

### Proposal to Set up a Gas Turbine Plant in Punjab

*381. SHRI HARVENDRA SINGH HANSPAL: Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) whether Government have a proposal to set up a gas turbine plant in Punjab to meet the ever rising power demand of the State;

(b) if so, whether Government propose to direct the Gas Authority of India to extend gas facilities to Punjab so that a Gas based Power Station of about 400 MW capacity is established there; and

(c) what is the reaction of the Government in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF POWER IN THE MINISTRY OF ENERGY (SHRIMATI SUSHILA ROHATGI): (a) No, Sir.

(b) and (c) Do not arise.

**श्री अटल बिहारी वाजपेयी** : उपसभापति महोदया 389, भी इसके साथ लिया जा सकता है ।

**उपसभापति** : यह पंजाब के लिए स्पेसिफिक है ।

**श्री अटल बिहारी वाजपेयी** : यह भी गैस टरबाइन के बारे में है ।

**उपसभापति** : आपको भी सपलीमेंटरी की इजाजत दे दी जायेगी ।

**श्री हरवेन्द्र सिंह हंसपाल** : पंजाब एक ऐसा स्टेट है जहां पर इंडस्ट्रीज के अलावा एग्रीकल्चर के लिए पावर की बहुत सख्त जरूरत है । अभी हाल में हिन्दुस्तान में ड्राउट कंडीशंस चल रही हैं, पंजाब में भी है । मुझे पंजाब में जाने का मौका मिला और मैंने वहां देखा कि जितनी बिजली वहां पर इस वक्त फार्मर्स को प्रोवाइड की जा रही है उसी के प्रपोशन के ताबिक हर खेती धान की लहलहा रही है । पंजाब के अंदर गेहूं और

धान पैदा होता है अगर उसमें कमी हो तो उसका नेशनल इकोनोमी पर असर पड़ता है। मेरा यह कहना है जो फिगर्स हमें पंजाब से मिली हुई है, पंजाब गवर्नमेंन्ट से उसके मुताबिक सैवंथ फाइव इयर प्लान के एंड में जितने पावर के प्रोजेक्ट्स इस वक्त चल रहे हैं अगर वे सही सलामत पूरे हो गयें तब भी 26 परसेंट पावर शोर्टेज रहती है और एडथ फाइव इयर प्लान के बाद थीन डैम पूरा हो जाये, उसमें काफी पैसा लगाया जाये, सैंट्रल गवनमेंट पैसा दे तो वह पूरा हो सकता है और बाकी प्रोजेक्ट भी पूरे हो जायें तो 20 परसेंट की कमी रहेगी। मेरा कहने का भाव यह है कि उस स्टेट के लिए खास ध्यान देना बहुत जरूरी है। अगर मैं यह बताऊं कि क्यों जरूरी है तो यह बहुत लंबा हो जायेगा। इसलिये भारत सरकार को यह चाहिए कि जहां तक थरमल पावर स्टेशन का सवाल है उसके लिए कोयला बहुत दूर से लाना पड़ता है और जहां तक हाइडल प्रोजेक्ट का सवाल है टोटल रिसोर्सेज एक्जोस्ट हो जायेंगे तो भी शोर्टेज रहेगी इसलिए मैं यह कहना चाहता हूं कि वहां पर गैस प्लांट दीजिए या न्यूकिलयर पावर प्लांट दीजिए। वहां ही स्थिति को मद्देनजर रखते हुए भारत सरकार वहां की एनर्जी को, पावर को पूरा करने के लिए क्या सोच रही है यह मैं जानना चाहता हूं?

श्रीमती सुशीला रोहतगी : माननीया, अभी हमारे माननीय सदस्य ने जो प्रश्न किये है उसमें कई प्रश्न हैं। मैं पहले बताना चाहूंगी कि यह बिलकुल सही बात है कि पंजाब की पैदावार का असर पूरे देश पर पड़ता हैं। जो प्रयास किये जा रहे हैं उसके आधार पर कहना चाहूंगी कि जो आंकड़े हम लोगों के समक्ष हैं उस में इस समय 86-87 में कोई 4.1 परसेंट की शोर्टेज हो रही थी पावर सप्लाई की पंजाब में। इसमें 1987-88 में अप्रैल से जुलाई तक 4.2 प्रतिशत की कमी है जो हमारी योजनायें चल रही हैं और पंजाब स्टेट इलैक्ट्रिसिटी बोर्ड उसमें अच्छा काम कर रहा है। वह समय से काम कर रहा है। हमें आशा है कि आगे चलकर जो हमारा 767 मेगावाट की योजना सातवीं योज में जुड़ जायेगी तो यह कमी 1.1 प्रतिशत की रह जायेगी। इस सारे रीजन में कमी इससे ज्यादा रहे गी, लेकिन पंजाब में केवल 1.1 प्रतिशत की कमी होगी। अच्छा होता कि हम इसको भी कम कर पाते इस रीजन को देखते हुए और दूसरी स्टेटों में ज्यादा कमी है, यह हम कर पाये हैं। आठवीं योजना में कोई हजार मेगावाट और बढ़ जाएगा क्योंकि सेन्ट्रल पावर प्रोजेक्ट्स से भी उनको शेयर मिलेगा। इतना मैं जरूर कहना चाहती हूं कि जो आपका अंतिम प्रश्न है गैस पावर प्लान्ट के बारे में, पंजाब स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड ने 11 मार्च को एक ऐसी कोशिश की थी गैस अथोरिटी आफ इंडिया के पास, लेकिन उन्होंने इसको रजिस्टर नहीं किया। क्योंकि इस वक्त उनके पास जितनी गैस है या जो उसकी एवेलेबिलिटी है वह सब कमिट हो चुकी है। इसके अतिरिक्त गैस के ट्रांसपोर्ट के लिए और उसके एक्सटेन्शन के लिए उनके पास इन्फ्रास्ट्रक्चर नहीं है। इसलिए दूसरा प्लान्ट लगाने का प्रश्न नहीं है।

**श्री हरेन्द्र सिंह हंसपाल :** जहां तक फीगर्स का सवाल है, मेरे पास जो फीगर्स हैं मैं उनके आपके पास लिख कर भेज दूंगा। ये फीगर्स मेरे पास जाब गवर्नमेंट की दी हुई हैं। आप इनके बारे में मुझे बताइये कि क्या होने वाला है। आपने कहा कि वहां पर पूरे वक्त सप्लाई दी जा रही है। मैं आपका ध्यान दिलाना चाहूंगा कि सिर्फ 10 इंडस्ट्रीज में पूरा कट लगा दिया गया है और सिर्फ एग्रीकल्चर के लिए 10 घंटे के लिए इन्टरप्टेड बिजली मिल रही है, लगातार नहीं मिल रही है। आप इसको क्लेरिफाई कीजिए। इस वक्त मेरे पास फीगर नहीं हैं, लेकिन सिंगरौली और बैरासूर से भी पूरा शेयर नही मिल रहा है। इसलिए मैं कहना चाहूंगा कि धान की फसल का संबंध पूरे देश से है। आप उनको पूरी सप्लाई दीजिए, किसानों को बिजली दीजिए।

**श्रीमती सुशीला रोहतगी :** जब आंकड़े आएंगे तो देख लेंगे। जो आंकड़े मैंने

दिये हैं उनसे अवश्य मिलाकर देख लेंगे। रही बात बैरासूर और सिंगरौली की, पिछले साल 1985-86 में थोड़ा शेयर कम मिलता था, परन्तु अब काफी बढ़ [illegible]। हमें आशा है कि इससे थोड़ी मिलेगी।

**श्री हरवेन्द्र सिंह हंसपाल** : एग्रीकल्चर को जो 10 घंटे बिजली मिल रही है उसको आप वेरिफाइ कीजिए या क्लीयर कीजिए।

**श्रीमती सुशीला रोहतगी** : इसका तो पता लगा लेंगे।

**श्री कैलाशपति मिश्र** : मैं सरकार से यह जानना चाहता हूं कि क्या गैस टरबाइन लगाने के लिए विदेशों से कोलेबरेशन में जाना पड़ता है? तेल का उपयोग बहुत बढ़ गया है। यह सब मिलाकर प्रति यूनिट जो खर्च पड़ता है वह हाइडल और थर्मल से ज्यादा पड़ता है। हाइडल का रेन्ज 20 पैसे से लेकर 70 पैसे तक जाता है, थर्मल का 50 पैसे से लेकर 96 पैसे तक जाता है। गस टरबाइन से जो बिजली पैदा होती है वह प्रति यूनिट 1.45 रुपये पड़ती है। इस इम्पोर्टेड आयल की हर दिन आवश्यकता पड़ेगी। हमें अपने प्रयोग के लिए विदेशी आयातित तेल पर निर्भर रहना पड़ेगा। मैं जानना चाहता हूं कि क्यों हमें इस पर निर्भर रहना पड़ रहा है? हम अपनी क्षमता, अपने साधनों से हाइडल खड़ा कर सकते हैं, थर्मल खड़ा कर सकते हैं और देश की जितनी आवश्यकता है, क्या उसकी पूर्ति नहीं होने वाली है और क्या आपने इसका एसेसमेंट किया है और अगर कर लिया है तो उसकी जानकारी क्या है?

**श्रीमती सुशीला रोहतगी** : माननीया, हमारे देश में जितने भी हाइडल, थर्मल प्राजेक्ट्स हैं उनको हम ज्यादा से ज्यादा जितना ट्रेप कर सकते हैं, कर रहे हैं। इसके अलावा बिजली की मांग भी ज्यादा है। उसको मीट करने के लिए हम प्रयास कर रहे हैं। जो गैस प्लान्ट्स होते हैं उनका पर यूनिट ज्यादा कास्ट बैठती है। लेकिन यह शोर्ट गेस्टेशन पीरियड से होता है। मैं कोई टेक्निशियन नहीं हूं, लेकिन यह कहना चाहती हूं कि जब ट्रीप होता है तो उसको वापस लेने में गैस प्लान्ट का जो तरीका होता है उसमें ज्यादा फेसिलिटी प्रोवाइड होती है।

**SHRI PAWAN KUMAR BANSAL**: Madam, going a little further on the projected figures given by Mr. Hanspal, I learn that the estimated deficit in the beginning of the 9th Plan as far as Punjab is concerned, would be about 2500 MW which would by the turn of the century go to about 4,000 MW. May I know from the Minister, if it is not possible to have this combined cycle gas thermal plant because of the commitment made to other States, would the Government consider as the State has been emphasising on that again and again, the setting up of a nuclear power plant? As I know the site selection committee has visited the State and selected two sites for that purpose. It is absolutely imperative for sustained development that we plan for the days to come right now. Would, therefore, the Government consider setting of an atomic power plant in Punjab?

**SHRIMATI SUSHILA ROHATGI**: Madam, we have a perspective plan. We have taken all these things into consideration. I would like to tell the hon. Member that during the Eighth Plan itself we have been inducting about 934 MW into Punjab and many of these schemes are under consideration. They are only awaiting investment clearance and approval by the Planning Commission.

Now, regarding the other part, I think, I am not in a position to say about it emphatically. That will have to be looked into.

**SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE**: Madam, is it a fact that D.E.S.U. wanted to put up a gas turbine plant in Delhi? The proposal was given up because there was no availability of fuel on a sustained basis. If so, why these proposals from Punjab or other States are being entertained?

**श्रीमती सुशीला रोहतगी** : माननीया, क्योंकि हमारे वाजपेयी जी अंग्रेजी में बोल

रहे थे लेकिन उत्तर मैं हिन्दी में दूंगी यदि आपकी अनुमति हो तो ।

माननीया, यह सही है कि उस समय डेसू ने क गैस प्लांट के लिये कहा था । पर उस समय अबलेबिलिटी आफ फ्यूल नहीं थी, इसलिये उस समय विचार नहीं किया गया । लेकिन बाद में, क्योंकि फ्यूल अवेलेबल हो गया, इसलिये इस चीज पर विचार किया गया और सी०ई० ए० ने क्लयरेंस भी दे दिया । इसके बाद ग्लोबल टेंडर हुए और सबसे कम जिसके दाम थ, उसके आधार पर यहां पर 6.30 मेगावाट का गैस प्लांट लग भी गया है, कमीशन कर दिया है और यह कार्य भी कर रहा है ।

SHRI BIR BHADRA PRATAP SINGH: Madam, it is a fact that electricity is one of the costliest powers. Even then gas turbine plants would be necessary because of the two main reasons. The production of gas our own R&D efforts and timely completion of 1500 KM HBJ pipeline , which travel from the West Coast to U.P. and all these areas. Now, the plants for which this gas is meant are not coming out to receive it especially two private companies and on public sector company. They are much behind the schedule. The gas is there, the HBI pipeline is complete but the purpose for which it was meant is incomplete. Madam, may I know from the Minister whether the gas would be wasted or they are thinking of some other alternative to supply the gas to the parties whether in Punjab or in Delhi or anywhere else in the country?

SHRIMATI SUSHILA ROHATGI: Madam, I share the concern of the hon. Member that the gas should be utilised as soon it is in a position to be transported from the HBJ pipeline. Therefore, the Gas Authority of India, the Petroleum and Natural Gas Ministry have indicated that there is a feeling that the position might come when some of these projects might not be able to come up and the gas be not fully utilised and hence we have said that six customers have been located. They are, M/s. Indian Petro-Chemicals Corporation, Gujarat State Fertilisers Corporation, Gujarat State Electricity Board, Indian Explosives Ltd., D.E.S.U. and National Thermal Power Corporation. Therefore, we share the concern of the hon Member. As far as we know, no gas will be allowed to be wasted and customers will be forthcoming so that it is fully utilised.

SARDAR JAGJIT SINGH AURORA: Madam Deputy Chairman, I would like to plead the cause of Punjab again. There is no doubt that in actual effect, there is tremendous shortage of power in Punjab now and it is likely to continue and as the pipeline has come up in this area they have to find out alternative customers. I would like to know as to why Punjab demand cannot be reconsidered.

SHRIMATI SUSHILA ROHATGI: Madam, firstly, I beg to differ with the hon. Member that there is a tremendous shortage of power. There are States like Karnataka and some other States where the percentage of shortage is even 20 per cent and on an average, the country is facing a shortage of 9.4 per cent. Fortunately, for Punjab, I hope, it would be better. It is 4.2 per cent just now and I would say that there is not a tremendous shortage. The second point is about the pipeline having come up in this area. It has not come up in this area so far. Therefore, the infrastructure does not exist and unless the infrastructure in there, how can the gas be transported to that area ?

*382. [*The question (Shri S. S. Ahluwalia) was absent. For answer,* vide *col.* 28 infra].

**Small Scale Units benefited by the Margin money Scheme**

*383. SHRI BASUDEV MOHAPATRA: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) the number of small scale units which have benefited so far as a result of the introduction of the margin money scheme for revival of such industries and the total amount sanctioned as assistance;

(b) whether the scheme is being reviewed and if so, what are the details in regard thereto; and